आकाषवाणी जयपुर–अजमेर

प्रादेषिक समाचार

दिनांकः 14.01.2025 समय : 18.30 पीएम

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिशन मौसम का शुभारंभ किया– उन्होंने कहा– यह मिशन देश को मौसम की हर स्थिति से निपटने में सक्षम और क्लाइमेट –स्मार्ट बनाने की भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।
- सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस पर प्रदेशभर में आज कई कार्यक्रमों का आयोजन–राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं का किया सम्मान।
- मकर संक्रांति का पर्व प्रदेशभर में पारम्परिक उल्लास से मनाया जा रहा है – सुबह से ही दान–पुण्य का दौर।
- राज्य में तेज सर्दी का असर जारी– भरतपुर, कोटा अजमेर और बीकानेर संभाग में कल कहीं–कहीं हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान।

0000

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को मौसम की हर स्थिति से निपटने में सक्षम और क्लाइमेट स्मार्ट राष्ट्र बनाने के लिए मिशन मौसम का आज शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारतीय मौसम विभाग के 150वें स्थापना दिवस पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि मिशन मौसम एक स्थायी और भविष्य के लिए तैयार राष्ट्र के निर्माण की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

.....

प्रधानमंत्री ने विभाग की डेढ सौ वर्ष की यात्रा की प्रशंसा करते हुए इसे देश में आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक गौरवशाली अध्याय बताया।

.....

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'सभी के लिए पूर्व चेतावनी' पहल देश की 90 फीसदी से अधिक आबादी को सूचना देती है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अगले दस दिनों की मौसम संबंधी जानकारी किसी भी समय प्राप्त कर सकता है। श्री मोदी ने कहा कि भारत की मौसम संबंधी प्रगति ने देश की आपदा प्रबंधन क्षमता को मज़बूत किया है। उन्होंने मौसम विभाग के डेढ सौ वर्ष पूरे होने पर एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। प्रधानमंत्री ने आईएमडी विज़न–2047 दस्तावेज़ भी जारी किया।

000

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ परीक्षा पे चर्चा में भाग लेने के लिए इस वर्ष रिकॉर्ड तोड़, सवा तीन करोड़ छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने पंजीकरण कराया है। पंजीकरण कराने वालो में विदेशी छात्र भी शामिल हैं, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और बढ़ गई है।

परीक्षा पे चर्चा का 8वां संस्करण विद्यालय स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, जो 12 जनवरी को शुरू हुआ और 23 जनवरी को समाप्त होगा। प्रधानमंत्री की अनूठी पहल, 'परीक्षा पे चर्चा' का उद्देश्य परीक्षा से संबंधित तनाव को कम करना और परीक्षा के अनुभव को उत्साह में बदलना है। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देते हैं और आत्मविश्वास तथा सकारात्मक मानसिकता के साथ परीक्षा देने के लिए व्यावहारिक सुझाव देते हैं। शिक्षा मंत्रालय 'परीक्षा पे चर्चा' को एक बढ़ते हुए जन आंदोलन के रूप में सराहता है।

000

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार मिशन ओलम्पिक 2028 पर काम कर रही है। प्रदेश के 50 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ओलम्पिक खेलों में भाग लेने के लिए विश्व स्तरीय प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि खेलों में युवाओं को आगे लाने के लिए खेल नीति लाई जाएगी, जिससे गांव–ढांणी की खेल प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिल सकेगा। मुख्यमंत्री आज उदयपुर जिले के खेड़ा कानपुर गांव में डांगी पटेल समाज की 37वीं खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खेलकूद में हार–जीत न होकर आगे बढ़ने की सीख मिलती है।

.....

000

आज पूर्व सैनिक दिवस है। यह दिन पूर्व सैनिकों के समर्पण, बलिदान और निःस्वार्थ सेवा का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के त्याग, बलिदान और राष्ट्र समर्पण के प्रति कृतज्ञता पर्व कहा है।

उन्होंने कहा कि हम सभी को चाहिए कि राष्ट्र के लिए सर्वस्व अर्पित करने वाले पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के कल्याण के लिए कार्य करते हुए उनकी सेवाओं का सम्मान करें। श्री बागडे आज जयपुर में सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस पर सेना के सप्तशक्ति प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों के पहले भारतीय कमांडर–इन–चीफ फील्ड मार्शल के- एम- करियप्पा की सेवाओं को भी याद किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों, अधिकारियों और वीरांगनाओं को भी सम्मानित किया। वहीं प्रदेश के कई जिलों में पूर्व सैनिक दिवस मनाया गया। झुन्झुनू में आयोजित कार्यक्रम में शहीद स्मारक पर स्थित शहीद वेदी पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया गया। इसके बाद सूचना केन्द्र सभागार में वीरांगनाओं, शौर्य पदक विजेताओं और वयोवृद्ध पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया।

000

"कर्मभूमि से मातृभूमि" अभियान के तहत "जल संचय– जन भागीदारी" विषय पर एक संवाद कार्यक्रम कल शाम को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, जयपुर शहर के 200 उद्यमियों, समाजसेवियों और गणमान्य लोगों से संवाद कर उन्हें प्रदेश को जल आत्मनिर्भर बनाने की अभिनव पहल से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। इससे पूर्व कल शाम को ही सांगानेर में आयोजित कार्यक्रम में वर्षा जल संचयन के कार्यों का भूमि पूजन कर शुभारम्भ किया जाएगा।

इस कार्यक्रम की शुरूआत पिछले वर्ष अक्टूबर माह में गुजरात के सूरत में हुई थी। उसके बाद से यह अभियान देशभर में जल संचयन में जनभागीदारी का प्रेरणास्रोत बनता जा रहा है। "कर्मभूमि से मातृभूमि" अभियान का उद्देश्य वर्षाजल संचय के द्वारा प्रदेश में भूजल स्तर की गिरावट को रोकना है। शुरुआती स्तर पर इस अभियान में सिरोही, पाली, जोधपुर, भीलवाड़ा, झुंझुनूं और जयपुर जिलों को जोड़ा गया है।

000

सूर्य के उत्तरायण होने का पर्व मकर संक्रांति आज प्रदेशभर में पारम्परिक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर लोगों ने पवित्र सरोवरों और जलाशयों में स्नान कर दान पुण्य किया। अजमेर के पुष्कर, बीकानेर के कोलायत, जयपुर के गलता जी और डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम सहित सभी तीर्थों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। वहीं मलमास के समाप्त होने पर आज से मांगलिक कार्यों की भी शुरूआत हो रही है। मंदिरों में भगवान को तिल के बने व्यंजनों का भोग लगाया। जैसलमेर में सोनार दुर्ग स्थित लक्ष्मीनाथ मंदिर में सुबह से भक्तों की भीड़ बनी हुई है। सवाईमाधोपुर जिले में रामेश्वरम् धाम स्थित त्रिवेणी संगम पर दिनभर श्रद्धालुओं का हुजूम नजर आया। झुन्झुनू और नागौर में आज दिनभर लोगों ने पतंगबाजी का लुत्फ उठाया, वहीं मन्दिरों में दान–पुण्य का सिलसिला दिनभर चला। कोटा और चूरू में भी दिनभर दान–पुण्य का दौर चला। राजसमंद जिले में मकर संकांति का पर्व पारम्परिक उल्लास से मनाया गया।

.....

इधर, मकर संक्रांति पर राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में पारम्परिक रूप से पतंग उड़ाने को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया। पतंगबाजी को लेकर लोग सुबह से शाम तक छतों पर नजर आये और पतंगबाजी जमकर आनंद लिया। पर्यटन विभाग की ओर से जयपुर में जलमहल की पाल पर पतंग उत्सव का आयोजन किया गया। उत्सव में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और कई जनप्रतिनिधियों ने पतंग उड़ाई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला में गौ पूजन कर गायों को चारा खिलाया। राजधानी जयपुर में पतंगबाजी से घायल पक्षियों के उपचार के लिए सभी पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक दिनभर खुले रहे साथ ही विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने पक्षियों के ईलाज के लिए शिविरों का आयोजन किया।

000

प्रदेश में तेज सर्दी का असर बना हुआ है। राज्य में सबसे कम 4 दशमलव 1 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान सिरोही में दर्ज किया गया। जैसलमेर में 4 दशमलव 7, डबोक और करौली में 5 दशमलव 1,

चित्तौडगढ़ में 5 दशमलव 2, प्रतापगढ़ में 5 दशमलव 7 और राजधानी जयपुर में 7 दशमलव 4 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के कई भागों में घना से अति घना कोहरा छाया रहा। मौसम केन्द्र जयपुर के अनुसार कल भरतपुर, कोटा अजमेर और बीकानेर संभाग में कहीं–कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान है। 16 जनवरी से मौसम शुष्क रहने और कहीं–कहीं घना कोहरा छाये रहने की संभावना है। तेज सर्दी और कोहरे को देखते हुए राज्य के कई जिलों में आज कक्षा एक से 8 तक के विद्यार्थियों का अवकाश रखा गया।

000